पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.10.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस
पर अपनी
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् को
केवल **100/- रू.**
दान राशी भेज कर
युवा आन्दोलन
को मजबूत करें

वर्ष-34 अंक-09 आश्विन-2074 दयानन्दाब्द 193 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.10.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

सहयोग : भारत विकास परिषद् पीतमपुरा शाखा

134वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

शुक्रवार, 20 अक्तुबर, 2017, सायं 4.00 से 8.00 बजे तक

स्थान : दिल्ली हाट पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस)

11 कुण्डीय यज्ञ सायं 4 से 5 तक, ब्रह्मा: आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी

मुख्य यजमान: सर्व श्री राजेश जुनेजा, यज्ञदत्त आर्य, सुरेश आर्य, धर्मदेव खुराना, डॉ. राजीव चावला, तिलक चांदना नरेन्द्र कालड़ा, राजीव आर्य, एस.के. आहुजा, ओमप्रकाश गुप्ता, धर्मपाल परमार, विनोद कालरा, सुरेन्द्र मानकटाला

गायक कलाकार :- नरेन्द्र आर्य सुमन ★ सुदेश आर्या ★ अंकित उपाध्याय

मुख्य अतिथि: श्री तरूण चुघ (राष्ट्रीय मंत्री भाजपा), **श्री विजेन्द्र गुप्ता** (नेता प्रतिपक्ष दिल्ली)

अध्यक्षता : श्री प्रदीप तायल (पाईटैक्स ज्वैलर्स, नेताजी सुभाष पैलेस, पीतमपुरा)

विशिष्ट अतिथि: श्रीमती अंजु जैन (चेयरमैन) व श्री योगेश वर्मा (डिप्टी चेयरमैन) केशवपुरम जोन

गरिमामय उपस्थिति: सर्व श्री आनन्द चौहान, दर्शन अग्निहोत्री, ठाकुर विक्रम सिंह, मायाप्रकाश त्यागी, आलोक शर्मा (पार्षद), कैलाश सांकला (पार्षद), डॉ. महेन्द्र नागपाल (पूर्व विधायक), सुभाष आर्य (पूर्व महापौर), श्रीमती रेखा गुप्ता (पूर्व पार्षद), राकेश खुल्लर, सुरेन्द्र कोहली, पूजा मदान (पार्षद), तिलकराज कटारिया (पार्षद), यशपाल आर्य (पूर्व पार्षद), रमेशचन्द्र शास्त्री, ममता नागपाल (पूर्व पार्षद), डॉ. शोभा विजेन्द्र (पूर्व पार्षद), नरेन्द्र अरोड़ा, डॉ. अमित नागपाल, राजकुमार जैन, संजीव मिगलानी, सुभाष गुप्ता, भारत भूषण दीवान, रश्मि गोयल, रमेश राठी, सतीश गुप्ता, एस.के. वाधवा, महेशचन्द्र शर्मा (पूर्व महापौर) दीपक सेठिया, सुरेश पौद्दार, घनश्याम गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, नरेन्द्र सिंघल, सुरेन्द्र मोहन लाम्बा, सुनील गुप्ता, रवीन्द्र आर्य, प्रवीन तायल, अमित मान, नीरज रायजादा, गायत्री मीना, राजीव मुखी, उर्मिला मनचंदा, सरोजिनी दत्ता, प्रेमप्रकाश गोगिया, अनिल मित्रा, प्रदीप गोगिया।

आर्य महिला गौरव अवार्ड से सम्मानित होंगे

श्रीमती अनुराधा नागिया	श्रीमती मंजुला गोयल	श्रीमती ललिता मेहता
श्रीमती संतोष आर्या	श्रीमती इन्द्रा आहुजा	श्रीमती प्रेमलता महाजन
श्रीमती कुसुम गुप्ता	श्रीमती चेरी सहगल	श्रीमती बिन्दु मदान
श्रीमती हर्ष आर्या	श्रीमती संगीता गौतम	श्रीमती ऋतु मल्होत्रा
श्रीमती कमलेश ग्रोवर	श्रीमती मधु खेड़ा	कुमारी मनीषा आर्या

आमंत्रित आर्य नेता: सर्व श्री ओम सपरा (मेट्रो पोलटेन मजिस्ट्रेट), सुरेन्द्र गुप्ता, रवि चड्डा, रविदेव गुप्ता, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, राजेन्द्र लाम्बा, रमेश कुमारी भारद्वाज, चतरसिंह नागर, जितेन्द्र डावर, अमरनाथ बत्रा, जवाहर भाटिया, अमरनाथ गोगिया, सुशील बाली, ओमप्रकाश मनचन्दा, रणसिंह राणा, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, अंजू जावा, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, अमीरचन्द रखेजा, डॉ. धर्मवीर आर्य, सोहनलाल मुखी, रामकुमार भगत, महेन्द्र टांक, कृष्णा सपरा, वेदप्रकाश, व्रतपाल भगत, शोभा सेतिया, सुषमा अरोड़ा, प्रि. अंजु मेहरोत्रा, बलराज नागपाल, सुशीला सेठी, सुदेश डोगरा, प्रेमकुमार सचदेवा, प्रकाशचंद आर्य, प्रदीप गुप्ता, रामजी दास थरेजा, सुरेन्द्र शास्त्री, वेदप्रभा बरेजा।

ऋषि लंगर **आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं**

निवेदक

डॉ. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	यशोवीर आर्य	योगेश आत्रेय	दिनेश गर्ग (गुड्डू)
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	स्वागत अध्यक्ष	स्वागत अध्यक्ष
रामकुमार सिंह	कृष्णचन्द पाहुजा	देवेन्द्र भगत	प्रवीण आर्य, सुशील आर्य	वेदप्रकाश आर्य
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	प्रेस सचिव	राष्ट्रीय मन्त्री	स्वागत मन्त्री
दुर्गेश आर्य	धर्मपाल आर्य	राकेश भटनागर	सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, प्रदीप, वरूण, शिवम	
राष्ट्रीय मंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय मन्त्री	प्रबंधक गण	

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9312406810, 9868664800
E-mail: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

मृतकों के चित्रों पर पुष्पमाला व पुष्प चढ़ाना अवैदिक कृत्य

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

एक आर्य विद्वान ने हमारा ध्यान आर्यजनों द्वारा अपने प्रिय परिवारजनों की मृत्यु आदि के बाद आयोजित श्रद्धांजलि आदि कार्यक्रमों में उनका चित्र रखने, उस पर पुष्पमाला डालने व पुष्प चढ़ाने की अवैदिक परम्परा की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने हमसे हमारा पक्ष पूछा था जो हमने उन्हें अवगत करा दिया है और इसी लिये इस विषय की चर्चा कर रहे हैं।

इस विषय में हमें पूरी स्थिति पर ध्यान देना होगा। हमारा उद्देश्य पूर्व व भावी किसी आर्यजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कदापि नहीं है। हम जो करें उससे पूर्व हम सिद्धान्त के विषय में चिन्तन कर लें। प्रमाणों को पता कर लें या स्वयं देख लें। यदि हमें लगता है कि यह वेद और ऋषि मान्यताओं के अनुकूल है, तो फिर वह अवश्य करणीय होगा और यदि हमारी आत्मा ही हमें उस कार्य को अवैदिक बताये तो ऐसी स्थिति में उसका करना करणीय नहीं हो सकता। इसका प्रभाव यह होता है कि ऐसे आयोजन में जो सिद्धान्त को जानने व समझने वाले आर्यजन होते हैं उनकी आत्मा व मनों में इसको लेकर विचार व मंथन उत्पन्न होता है। अधिकांश सोचते तो हैं कि यह सिद्धान्तों के विपरीत है परन्तु वह कहते किसी को कुछ नहीं है, उसे चलने देते हैं। हमें व्यक्तिरूप से लगता है कि यह अवसर भी किसी को रोकने व टोकने का नहीं होता क्योंकि परिवारजन गहरे आत्मीय भावों से भरे हुए होते हैं व ऐसे समय पर उनका विवेक लगता है कि साथ न दे।

इस विषय पर विचार करने के लिए हमें यह समझना है कि हमारे परिवार के दिवंगत मनुष्य की जो कीमत व महत्व था, उसके अर्थात् उसकी आत्मा के, अपने शरीर में विद्यमान होने के कारण से ही था। आत्मा थी तो उसे नये वस्त्र प्रदान करने और रोगी होने पर सस्ती व खर्चीली सभी प्रकार की चिकित्सा आदि कराते थे। अनेक वस्तुयें उन्हें भेंट की जाती थीं। वह उन्हें स्वीकार करते थे और धन्यवाद करने के साथ उनका निजी जीवन में उपयोग भी करते थे। आत्मा के शरीर से पृथक हो जाने को ही हम मृत्यु मानते हैं। उसके बाद उस दिवंगत आत्मा के शरीर का एक ही मूल्य होता है कि वेद विहित विधि–विधान से उसकी अन्त्येष्टि कर देना। सभी आर्यजन ऐसा ही करते हैं और संस्कारविधि में दिये गये विधान से अन्त्येष्टि कर देते हैं। स्वामी दयानन्द जी महाराज ने संस्कारविधि में स्पष्ट कहा है कि अन्त्येष्टि सम्पन्न हो जाने के बाद दिवंगत आत्मा के लिए परिवारजनों द्वारा किसी अन्य कृत्य, दशमी, तेरहवी व बरसी, चौथा, उठाला आदि करने की आवश्यकता नहीं है। वह लिखते हैं कि तीसरे दिन श्मशान भूमि में जाकर शवदाह के स्थान से अस्थियों को चुन कर उसे वहीं किसी स्थान पर रख आना चाहिये।

कुछ लोग अस्थियों को हरिद्वार व किसी अन्य नदी में ले जाकर प्रवाहित करते हैं, वह भी हमें पौराणिक वा अन्ध श्रद्धा से युक्त कर्म व कार्य लगता है। अस्थियों व राख को किसी वन व उद्यान में ले जाकर उसे किसी नये पौधे के नीचे डालकर उस वृक्ष के पौधे को लगाना भी हमें वैदिक सिद्धान्तों की दृष्टि से उचित प्रतीत नहीं होता। इसके पीछे जो भावना है वह सिद्धान्त की दृष्टि से उचित नहीं। यह भी एक प्रकार की अवैदिक परम्परा ही है। उससे न तो मृतक को और न उनके पारिवारिकजनों को कोई लाभ होता है। शव की राख व अस्थियों को किसी नदी में प्रवाहित करने से तो जल प्रदुषण ही होता है। लोग कई बार नदियों के जल को भरकर घर ले आते हैं, यदा कदा किसी पौराणिक कृत्य करते हुए उसका आचमन करते हैं वा उसे पीते भी हैं। ऐसा जल पीना हमें किसी भी प्रकार से उचित प्रतीत नहीं होता। यह भी हमारी व पीने वालों की अन्ध श्रद्धा ही होती है। यह बात अलग है कि किसी एक व कुछ नदियों के जलों को लम्बी अवधि पर रखने पर वह प्रदुषित व कीटाणुओं से युक्त न होता हो परन्तु यदि उसमें मृतक की राख व अन्य अशुद्धियां मिली हैं तो वह आचमन करने योग्य तो कदापि नहीं होता, ऐसा हम अनुभव करते हैं।

हम सभी जानते हैं कि मरने के बाद जीवात्मा का कुछ समय बाद उसके प्रारब्ध व कर्मानुसार पुनर्जन्म हो जाता है। मरने के बाद क्योंकि शरीर छूट गया होता है, इसलिए हम अनुभव करते हैं कि जीवात्मा को किसी भी प्रकार के सुख, दुख व पारिवारिक जनों की भावनाओं की किसी प्रकार से भी अनुभूति नहीं होती। पुनर्जन्म के सिद्धान्त से ही मृतक श्राद्ध का भी स्वतः खण्डन हो जाता है। जब मृतक का शरीर अन्त्येष्टि करके जला दिया गया और उसका कुछ ही काल बाद पुनर्जन्म वा गर्भवास हो जाता है, फिर उसके लिए श्राद्ध के नाम पर ब्राह्मणों व किसी अन्य को भोजन कराना उचित नहीं होता। यह अन्धविश्वास मात्र होता है। हां, यदि मृतकों के परिवार जन चाहें तो वर्ष में एक वा अनेक बार उनकी स्मृति व अकारण ही गरीबों को एकत्रित कर उन्हें भोजन करा सकते हैं और उनकी आवश्यकता की वस्तुओं की जानकारी लेकर उन्हें प्रदान कर सकते हैं। उन निर्धनों व उनके बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। यदि ऐसा करेंगे तो यह अधिक उपयुक्त एवं शुभ परिणामकारी हो सकता है।

उपर्युक्त विवेचन से यह ज्ञात होता है कि मृतक जीवात्मा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित कर उसके चित्र पर फूलमाला एवं फूल चढ़ाने की न तो आवश्यकता है न इससे किसी प्रकार का लाभ होता है। यह अवैदिक व अवैज्ञानिक परम्परा है। कुछ लोग चित्र पर फूल चढ़ा कर वहां चित्र के सामने हाथ जोड़ कर खड़े भी रहते हैं। यह भी घोर अवैदिक एवं अज्ञानपूर्वक कृत्य है। आर्यों को चाहिये कि वह अपने परिवार में किसी वियोग के अवसर पर इस प्रक्रिया को न होने दें व इसका स्वरूप बदले दे। इसका समाधान यह हो सकता है कि बड़ा सा चित्र बनवा या छपवा कर उसे पीछे लगाया वा टांगा जा सकता है जहां तक कोई आगन्तुक बन्धु न पहुंच सके। आरम्भ, मध्य व अन्त में पुरोहित से से इस विषय की संक्षिप्त चर्चा भी कराई जा सकती है। श्रद्धांजलि सभा, पगड़ी व उठाला आदि की रस्म में चित्र रखा तो जा सकता है परन्तु उस पर पुष्पमाला व पुष्प चढ़ाना हमें वैदिक सत्य परम्पराओं की दृष्टि से उचित प्रतीत नहीं होता। अतः इसे आर्यजनों को, यदि कहीं ऐसा होता हो, तो यथाशीघ्र बन्द कर देना चाहिये।

हम यह जानते हैं कि ऐसे समय पर मनुष्य दिवंगत के प्रति अपनी गहरी आत्मीय भावनाओं से भरा हुआ होता है। उस समय उसे कुछ कहना व बताना उचित नहीं होता है। कहेंगे तो उसे अधिक दुःख हो सकता है और परिणाम अच्छे नहीं होगें। अतः अन्य अवसरों पर आर्यजनों को इसकी परस्पर व सत्संग आदि में भी चर्चा कर लेनी चाहिये जिससे हमें अपने वैदिक कर्तव्यों का ज्ञान रहे और हम व हमारे बड़े ऐसे कृत्यों को परिवारों में न होने दें। हमने अपने विचारों को यहां स्पष्ट किया गया है क्योंकि हम से अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। यदि इससे किसी को लाभ होता है तो अच्छी बात है। यदि कोई हमारी बात व भावना को समझ न पाये और उसे दुःख पहुंचता हो तो हम उसके प्रति सहानुभूति रखते हुए उसका धन्यवाद ही करेंगे।

—196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः 09412985121

श्री धर्मपाल परमार प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज प्रशान्त विहार, दिल्ली के चुनाव में श्री धर्मपाल परमार – प्रधान, श्री नरेन्द्र कस्तूरिया – मंत्री श्री महेन्द्र अरोड़ा – कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उदघोष की बधाई।

आर.आर.बावा डी.ए.वी कालेज बटाला व आर्य समाज सिंहानी गाजियाबाद का उत्सव सम्पन्न

बटाला, पंजाब के आर.आर.बावा डी.ए.वी कालेज फार गर्ल्ज में गुरूवर स्वामी विरजानन्द दण्डी जी की जयन्ती पर यज्ञ का आयोजन किया गया। प्रि.नीरू चड्डा की अध्यक्षता में डा.लक्की शर्मा,सुनीलदत शर्मा, शबनम प्रभा ने यज्ञ करवाया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज सिंहानी, गाजियाबाद का वार्षिकोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आचार्य आनन्द पुरूषार्थी की वेद कथा हुई। श्री वीर सिंह ने कुशल संचालन किया।

कर्मठ समाजसेवी, दानवीर, आर्य प्रचारक ठाकुर विक्रम सिंह जी का जन्मोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 17 सितम्बर 2017, आर्य समाज के कर्मठ प्रचारक ठाकुर विकम सिंह जी का 75 वां जन्मोत्सव आर्य समाज डिफेन्स कालोनी,नई दिल्ली में स्वामी प्रणवानन्द जी की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। जिसमें देश भर से चुने हुए लगभग 550 आर्य विद्वानों, प्रकाशकों,सम्पादकों का अभिनन्दन किया गया गया। चित्र में–ठाकुर विकम सिंह का शाल से अभिनन्दन करते श्री अजय चौहान (प्रधान, आर्य समाज डिफेन्स कालोनी, दिल्ली), साथ में शिक्षाविद् श्री आनन्द चौहान,परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य आदि।

द्वितीय चित्र– डा. अनिल आर्य का शाल, स्मृति चिन्ह व 21,000 रू की सम्मान राशी से अभिनन्दन करते ठाकुर विकम सिंह जी। समारोह में प्रमुख रूप से समाज के मंत्री श्री अजय सहगल, श्री श्याम जाजू, श्री धर्मपाल आर्य, डा.रूपकिशोर शास्त्री. पं.मेघश्याम वेदालंकार, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, श्री अशोक आर्य (सम्पादक आर्यवृत केसरी) आदि उपस्थित थे। जीवित श्राद्ध करने के लिए ठाकुर जी के सुपुत्र कु. प्राज्ञ आर्य, कु.राहुल आर्य, कु.इन्द्रवीर आर्य, डा.वरूणवीर आर्य बधाई व आशीर्वाद के पात्र हैं।

श्री श्याम जाजू ने किया अभिनन्दन व सन्यांस आश्रम गाजियाबाद का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

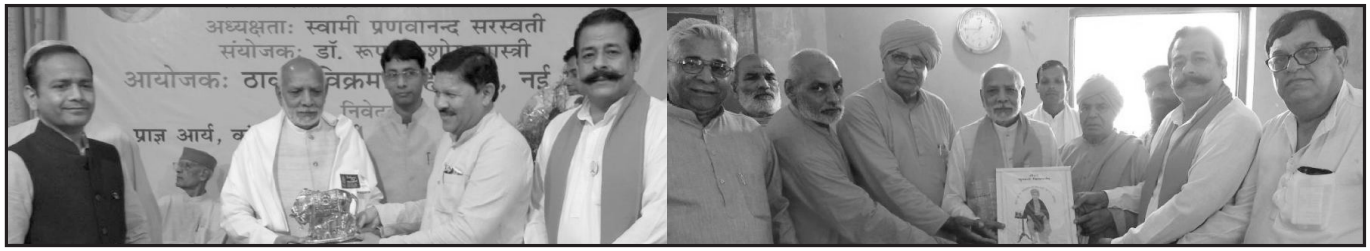

ठाकुर विकम सिंह जी का अभिनन्दन करते श्री श्याम जाजू (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा), साथ में डा. वरूणवीर आर्य व डा.अनिल आर्य। द्वितीय चित्र–रविवार, 24 सितम्बर 2017, सन्यांस आश्रम, गाजियाबाद का 63 वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में ठाकुर विकम सिंह जी का अभिनन्दन करते सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश जी,परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,आश्रम संचालक स्वामी चन्द्रवेश जी,डा.आर.के.आर्य,प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य। केन्द्रीय सभा के प्रधान श्री सत्यवीर चौधरी, लाला ओमप्रकाश आर्य, श्री सुभाष सिंघल, श्री तेजपालसिंह आर्य, श्री वेदव्यास, सौरभ गुप्ता, जितेन्द्र शास्त्री, दिनेश आर्य, विवेक अग्निहोत्री, अभिषेक द्विवेदी,साहिल आर्य,गौरव गुप्ता आदि उपस्थित थे।

रिवाड़ी हरियाणा में किया वेद प्रचार व कन्या गुरूकुल जसात, गुरूग्राम का किया अवलोकन

सोमवार, 18 सितम्बर 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ग्राम कनुका, रिवाड़ी में आयोजित यज्ञ व वैदिक सत्संग में आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया। राजकीय प्राथमिक पाठशाला कनुका में छात्र–छात्राओं को कापी,पेन,स्कूल बैग आदि वितरित किये गये। चित्र में–बच्चों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, श्री महावीर शर्मा, श्रीमती राधा भारद्वाज, श्री धर्मपाल आर्य, श्री दशरथ भारद्वाज, श्री महेन्द्र भाई, श्री रामकुमार सिंह व श्री अजय शर्मा आदि। द्वितीय चित्र–भगवती आर्ष कन्या गुरूकुल महाविद्यालय, जसात, गुरूग्राम में देखने के लिये पंहुचे अत्यन्त भव्य, सुन्दर, स्वच्छ गुरूकुल देख कर प्रसन्नता हुई। इसके प्रबन्धक डा.रविन्द्र आर्य,श्रीमती दमयन्तीदेवी, आचार्या शिमलेशदेवी को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, श्री रामकुमार आर्य,श्री महेन्द्र भाई।

आर्य समाज सेवा सदन बल्लभगढ़ का उत्सव सम्पन्न व डा.योगेश आत्रेय का अभिनन्दन

शुक्रवार, 15 सितम्बर 2017,आर्य समाज सेवा सदन बल्लभगढ़, फरीदाबाद का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य कुलदीप आर्य (बिजनौर) की श्री राम कथा हजारों लोगों ने श्रवण की। चित्र में–डा.अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, जितेन्द्रसिंह आर्य, जितेन्द्र सिंघला, आचार्य देवराज आर्य, श्री सुभाष आर्य आदि। श्री कुलभूषण आर्य व श्री प्रवीन गोयल ने कुशल संचालन किया।

दानी महानुभावों से अपील:- यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड-**SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित

– डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

आर्यो का 80 सदस्यीय दल थाईलैन्ड पंहुचा : बेंकाक आर्य समाज में वेद प्रचार

शुक्रवार, 28 सितम्बर 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 80 सदस्यीय आर्य जनों का दल नई दिल्ली के इन्टरनेशनल एयरपोर्ट से प्रस्थान कर गया। चित्र में स्वागत व विदाई देते सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी,परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,महेन्द्र भाई,रामकुमार सिंह व यात्रा के संयोजक श्री देवेन्द्र भगत,प्रदीप जैन आदि। हमारी हार्दिक शुभकामनायें।

आर्य समाज विशाखा एनक्लेव व वेद मन्दिर पीतमपुरा दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

आर्य समाज विशाखा एनक्लेव,दिल्ली के प्रधान डा. धर्मवीर आर्य व मंत्री श्री ओमप्रकाश गुप्ता को सम्मानित करते डा.अनिल आर्य व श्री महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सी. पी.ब्लाक, पीतमपुरा दिल्ली के उत्सव पर पं.सत्यपाल पथिक(अमृतसर),आचार्य विद्याभानु शास्त्री(जम्मू) के साथ प्रधान श्री व्रतपाल भगत,डा.अनिल आर्य व महेन्द्र भाई।

शिक्षाविद रमेश कुमारी भारद्वाज व आर्य पार्षद आलोक शर्मा का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 39 वें राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन के अवसर पर प्रि.रमेश कुमारी भारद्वाज का अभिनन्दन करते सांसद स्वामी सुमेधानन्द जी, डा.अनिल आर्य व श्री धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र–रोहिणी के युवा पार्षद (सुपुत्र श्री रमेशचन्द शास्त्री, पूर्व प्राचार्य गुरूकुल खेड़ाखुर्द) का अभिनन्दन करते नेता प्रतिपक्ष दिल्ली विधान सभा श्री विजेन्द्र गुप्ता,सांसद श्री तरूण विजय,स्वामी आर्यवेश जी, डा.अनिल आर्य,धर्मपाल आर्य।

आर्य समाज, यमुना विहार का उत्सव सम्पन्न व डा.रविकांत का अभिनन्दन

शनिवार, 23 सितम्बर 2017, आर्य समाज, यमुना विहार, पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हो गया। स्वामी श्रद्धानन्द जी(पलवल) की वेद कथा हुई व आचार्य सतीश सत्यम के मधुर भजन हुए। चित्र में–डा.अनिल आर्य के साथ,श्री रामस्वरूप शास्त्री, स्वामी श्रद्धानन्द जी,प्रधान डा. सुबोध शर्मा, मंत्री श्री विश्वास वर्मा, श्री मुकेश पंवार, श्रीमती सरोज भाटिया व जवाहर भाटिया। द्वितीय चित्र–राष्ट्रीय अधिवेशन में आर्य समाज दीवान हाल, दिल्ली के मंत्री डा.रविकांत का अभिनन्दन करते श्री विजेन्द्र गुप्ता, श्री महेन्द्र भाई,श्री ओम सपरा, श्री वेदप्रकाश आर्य।

आर्य समाज इन्द्रापुरम का उत्सव

आर्य समाज इन्द्रापुरम, गाजियाबाद का 5वां उत्सव रविवार, 15 अक्तूबर 2017 को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक मुक्ता काशी रंग मंच, स्वर्ण जयन्ती पार्क में मनाया जायेगा। प्रधान विजय आर्य व मंत्री यज्ञवीर चौहान ने भारी संख्या में पुहंचने की आर्य जनों से अपील की है।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती विमला देवी (धर्मपत्नी श्री दुर्गादास, स्वतन्त्रता सेनानी, सम्पादक आर्य गजट) का निधन।
2. श्रीमती कमलेश आर्या (धर्मपत्नी डॉ. राजा राम आर्य, गाजियाबाद) का निधन।

सम्पादक: अनिल कुमार आर्य द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए मंयक प्रिंटर्स,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, प्रबन्धक : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970